

॥ संगीत सभा की पहली प्रस्तुति में आपणाले सोरभ शर्मा ने अपने मधुर सुरों में एक आध्यात्मिकता भरी गुरु भक्ति के स्वरों से श्राम से सजाया। उन्होंने अपनी रमई प्रस्तुति की शुरुआत गूरु पूरिया कल्याण में विलंबित ब्रह्माल 'भज ते हरि नाम, 'से किया, जो कि एक ताल में निबद्ध साथ ही तीन ताल में छोटा ब्रह्माल 'लाखों में एक चुन-चुन लाया और राग शुद्ध कल्याण में द्रुत एकताल में गुरु की हिमा पर बंदिश गुरु ही एक ण आधार...गाकर गुरु की देना की और अंत में मिश्र राग दुमरी सजनवा तुम क्या जानो ते' प्रस्तुत किया।